The House reassembled at twenty-two minutes past twelve of the clock.

MR. DEPUTY CHAIRMAN in the Chair.

ANNOUNCEMENT BY CHAIR REGARDING SECURITY COVER PROVIDED TO THE LEADERS OF POLITICAL PARTIES

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Hon. Members, the Chairman had received notices in the morning about the security cover for four leaders, namely, Kumari Mayawati, Dr. Murli Manohar Joshi, Shri Mulayam Singh Yadav and Shri Lalu Prasad Yadav. On these notices, Shri Prithviraj Chavan, the Minister of State in the Ministry of Parliamentary Affairs said during the Zero Hour "Government is deeply concerned about the security of all political leaders. I assure the House that the security provided to the leaders of the political parties mentioned in notice will not be reduced". I think the statement is quite clear and no further elucidation is required. It clinches the issue. All objections raised, therefore, are not necessary.

We will now take up Zero Hour. Shri Kalraj Mishra.

डा. (श्रीमती) नजमा ए. हेपतुल्ला (राजस्थान): सर, सुबह से सब zero ही हो रहा है, जवाब भी करा देते।

SHRI SATISH CHANDRA MISRA (Uttar Pradesh): Sir, we are greatly obliged to the Chair for resolving this issue.

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Disappearance of Children from various Cities

श्री कलराज मिश्र (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति जी, मैं एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय की तरफ ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। कानपुर में फरवरी से लेकर जून तक 60 बच्चे गायब हो गए हैं और वे मिल नहीं रहे हैं। रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए अभिभावकगण गए, कई जगह रिपोर्ट दर्ज हुई, कई जगह नहीं हुई। इनमें से स्वयं अभिभावकों ने ही 20 बच्चों को तो ढूंढ लिया, फिरौती देकर या बाकी सब चीजें करके, लेकिन अभी भी 40 बच्चे ऐसे हैं जिनका कुछ पता नहीं है। उपसभापति जी, मुझे ऐसा लगता है कि यह केवल कानपुर का प्रश्न नहीं है, उत्तर प्रदेश का ही प्रश्न नहीं है, पूरे देश भर में जिस तरह बच्चों की और मानव तस्करी की जा रही है, उसी कड़ी के अंतर्गत ये सारी चीजें विद्यमान हैं। अभी हम देख रहे थे एक trafficking in India के बारे में स्टडी करके 'शक्तिवाहिनी' ने जो आंकड़े दिए हैं, उनमें उन्होंने कहा है कि देश के 593 जिलों में से 378 जिलों में इसका प्रभाव काफी दिखाई दे रहा है। इनमें 10 प्रतिशत अंतर्राष्ट्रीय मानव तस्करी तथा 90 प्रतिशत राज्यीय तस्करी है और इसमें 18 वर्ष की उम्र से नीचे वाले बच्चों की संख्या ज्यादा है। इसी तरीके से UNICEF के अनुसार प्रति वर्ष 12 बिलियन की मानव तस्करी होती है और उसमें से 1.2 बिलियन बच्चे होते हैं। हिंदुस्तान में जिस तरीके से तस्करी चल रही है, बच्चों का अपहरण, मानव की तस्करी, जिस व्यापक मात्रा में चलाई जा रही है, उसको जिस ढंग से रोकना चाहिए, वह नहीं रुक पा रही है। चाहे प्रदेश सरकार के द्वारा बनाई गई योजनाएं हों, चाहे केन्द्र सरकार के द्वारा बनाई गई योजनाएं हों, ये योजनाएं निष्प्रभावी होती जा रही हैं। कानपुर की हालत तो ऐसी हो गई है कि वहां का सामान्य नागरिक इससे बड़ा आतंकित है। पहले किरण माहेश्वरी नाम का बच्चा गायब हो गया था, पुलिस को रिपोर्ट की गई। तब वहां की महिला डी.आई.जी. ने उसके परिवार में जाकर बड़े ही ममतायुक्त वातावरण का निर्माण किया था, उन्होंने कहा था कि मैं भी मां हूं और मैं मां का दर्द समझती हूं, यह कहकर उन्होंने यह भी कहा कि मैं उसको ले आऊंगी, लेकिन उसकी हत्या हो गई। उसी की नहीं, कानपुर में और कइयों की हत्या हो गई तथा कानपुर के साथ-साथ और भी कई स्थानों

पर, कई जिलों में इस प्रकार की हत्याएं हुई हैं। यह नियंत्रित नहीं हो पा रहा है। इस पर कैसे नियंत्रण किया जाए, इसकी चिंता करने की आवश्यकता है। इसके लिए केन्द्र सरकार, स्वयं राज्य सरकार से सहयोग करके उसको व्यवस्थित करने का प्रयत्न करे, कानून-व्यवस्था स्थापित करने का प्रयत्न करे, इसके बारे में चिंता करने की आवश्यकता है। कानपुर के लोगों सहित, उत्तर प्रदेश के लोगों के मन से यह डर निकालने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा भी समुचित कार्यवाही करने की आवश्यकता है।

श्रीमती वृंदा कारत (पश्चिमी बंगाल)**:** मैं अपने को इस विषय से सम्बद्ध करती हूं।

श्री रवि शंकर प्रसाद (बिहार)**:** मैं अपने को इस विषय से सम्बद्ध करता हूं।

प्रो. राम गोपाल यादव (उत्तर प्रदेश)**:** मैं अपने को इस विषय से सम्बद्ध करता हूं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All the hon. Members have associated themselves with it.

डा. (श्रीमती) नजमा ए. हेपतुल्ला (राजस्थान)**:** उपसभापति जी, organs की भी तस्करी हो रही है।

श्री उपसभापति: Organs का कल तो डिस्कस हुआ है।

डा. (श्रीमती) नजमा ए. हेपतुल्ला: उपसभापति जी, सब agree कर रहे हैं कि organs की तस्करी होती है, बच्चों के organs निकाल लेते हैं, किडनी निकाल लेते हैं, आंखें निकाल लेते हैं, इसके ऊपर सबको ध्यान देना चाहिए।

Forthcoming Free Trade Agreement with ASEAN Countries

SHRIMATI BRINDA KARAT (West Bengal): Sir, I want to draw the attention of the House to a very serious development which is going to affect the livelihood of lakhs of our farmers and our fishermen.

There are reports in the paper today that the Cabinet is slated to discuss and to approve of a Free Trade Agreement with ASEAN countries. This will mean that approximately 4000 goods, including palm oil, pepper, tea, coffee, rubber, cashew and marine products, will see the elimination of all customs tariffs.

Sir, with the experience of the conditions we accepted when we joined the WTO of removal of quantitative restrictions, we have seen its impact on our own agriculture once we accepted all those conditions.

Today, in the State of Kerala where we are already seeing a huge crisis for many of the producers of these products, and in other parts of the country also, signing of this agreement with ASEAN countries is going to be devastating for lakhs of our farmers who are already facing acute distress because of the agrarian crisis in this country.

In this House, we had the occasion to discuss what was reported as 'a surrender' to those countries which have been insisting on the conditions to start the Doha round of negotiations in the WTO. We had occasions in this House also to protest against it and to ask the Government to come clean on it.

Sir, we have drought in this country and, in some areas, there are floods. We are already deeply concerned about the state of the entire farming community. In such a situation, if the Government goes ahead and signs this agreement and imposes these conditions on our country, it is going to be disastrous.